मानव के नैतिक एवं आध्यात्मिक उत्थान में बौद्ध धर्म का योगदान

डॉ० देवेन्द्र कुमार

बौद्ध धर्म भारत में उत्पन्न हुए नवीन धर्मो में सबसे अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुआ। बुद्ध के सभी उपदेश बड़े व्यावहारिक और विवेकपूर्ण थे जिन्होंने भारतीय ही नहीं, विश्व के जनमानस को अत्यधिक प्रभावित किया। कुछ विद्वानों का कहना है कि "बुद्ध नवीन धर्म के संस्थापक न थे अपितु धर्म के सुधारक थे। वे एक पैगम्बर न थे अपितु एक महान संत थे जिन्होंने नैतिकता और सत्कर्म पर बल दिया। उनके नैतिक नियम जनसाधारण के लिए भी अनुकरणीय थे।

बौद्ध धर्म ने सदाचार, लोक सेवा और उच्च आर्दशों पर बल देते हुए पहली बार भारत में मानव के परस्पर समान संबंधों पर बल दिया है। दान, शुद्धता, आत्म बलिदान, सत्य आत्म–नियंत्रण, दया, समानता, अहिंसा, मन–वचन और कर्म की पवित्रता आदि नैतिक गुणों का भारतीय समाज में समुचित ढंग से समावेश करने एवं उनकी आध्यमिकता के स्तर को परिमार्जित करने का श्रेय बौद्ध धर्म को है।